जंगली सुअर

आईयूसीएन (IUCN) स्थिति : ख़तरे से बाहर

एशिया में पर्यावास

विस्तृत; जंगलों और उनके आस पास के इलाकों में पाए जाते हैं

आहार

कंद और जड़ें, फल, पत्ते कीड़े छोटे मेंढक, सरीसृप

जीवनकाल

10–14 साल

प्रजनन

मौसमी – आम तौर पर बारिश से पहले और बाद में खाने की उपलब्धता और जलवायु पर निर्भर करता है

प्रजनन आयु

8 – 18 महीने

गर्भकाल

3 – 4 महीने

जन्म

एक समय में 4–6 शावक

- जंगली सुअरों के पास बड़े दांत होते है जिन्हें 'टशस' कहा जाता है, जो उम्र के साथ बढ़ते है और मुड जाते है
- घूमकर खाना ढूँढने वाला सर्वभक्षी और अवसरवादी प्राणी
- मुख्यतः निशाचर
- नर की पीठ पर सिर से लेकर शरीर के निचले हिस्से तक घने बाल होते हैं
- खाना ढूँढने या खाना मिलने वाले इलाकों तक जाने के लिए रोज़ 4–8 घंटे यात्रा करता है
- कोई स्वेद ग्रंथि नहीं, शरीर के तापमान को नियंत्रित करने, परजीवियों को हटाने और सूरज की रोशनी से अपनी संवेदनशील त्वचा को बचाने के लिए कीचड़ में लोटता है
- मिट्टी की कई परतों को खोदकर खाना ढूंढ लेता है जिसे रूटिंग कहते हैं
- फसलों को खाकर और खेत को रौंदकर, खोदकर नष्ट कर देते हैं
- इनके लिए खाना, खाना एक सामजिक क्रिया है; नर सुअर के अकेले होने पर वह एक साथ खाना खाने वाले झुंड में शामिल हो जाता हैं
- इंसानी पर्यावासों में खुले में पड़े कचरे के ढेरों की ओर आकर्षित होता है

दल का आकार

4 – 13

दल की संरचना

मादा के साथ हाल ही में पैदा हुए, शावक + थोड़े बड़े शावक और प्रजनन मौसम में वयस्क नर

नर 8 – 16 महीने की आयु में परिवार से अलग हो जाते हैं

मादा शिशु अपनी माँ के साथ रहती हैं

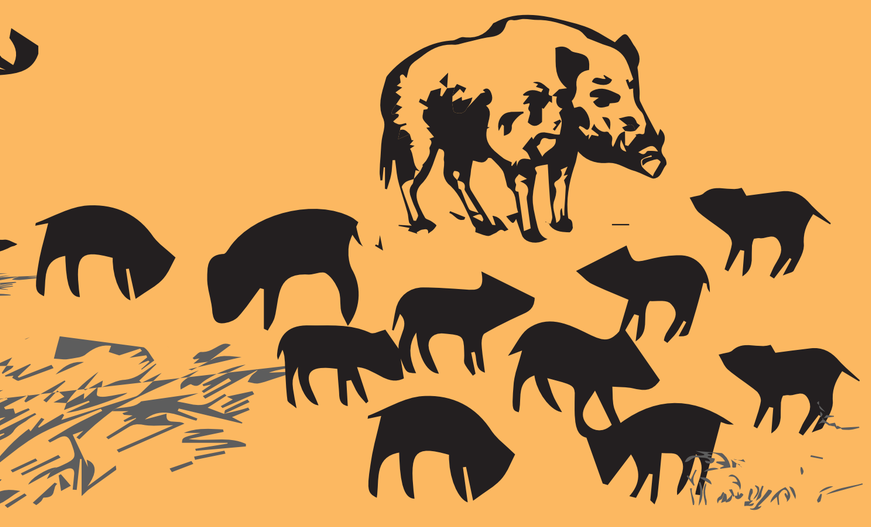

क्या आप जानते हैं?

- मादा और किशोर जंगली सूअरों के झुंड को साउंडर्स कहते हैं। साउंडर्स का आकार मौसम, पर्यावास, जल और खाने की उपलब्धता के अनुसार बदलता रहता है
- भारतीय जंगली सुअर वाइल्ड बोर की उप प्रजाति है। यह यूरोपीय सुअर से अलग है क्योंकि इसकी पीठ पर बालों वाली कलगी होती है, इसकी खोपड़ी ज़्यादा बड़ी और सीधी होती है और इसके कान छोटे होते हैं
- जंगली सुअर दिन में सोने के लिए अस्थायी बिस्तर बनाते हैं। एक बिस्तर में 15 सूअर तक आ सकते हैं। कभी–कभी ये दूसरे जानवरों द्वारा बनाए गए बिलों का इस्तेमाल भी करते हैं
- जंगली सुअर खाद्य श्रृंखला में शीर्ष मांसाहारियों के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। ये बीजों को यहां से वहां फ़ैलाकर और परोपजीवियों की आबादी को नियंत्रण में रखकर पारिस्थितिकी तंत्र को बनाकर रखते हैं
- ये जंगलों से दूर खेतों, बागानों और झाड़ी वाले इलाकों में अपनी आबादी तेज़ बढ़ाने में सक्षम होते हैं। इसलिए, ये आसानी से फ़सलों को घातक नुकसान पहुंचा सकते हैं
- जंगली सुअर इंसानों पर तब आक्रमण करते हैं जब अचानक इंसान और जंगली सुअर आमने–सामने आ जाते हैं या खेतों में लोग उन्हें घेर लेते हैं

भारत में मनुष्य – वन्य जीव संघर्ष शमन पर भारत – जर्मनी सहयोग

भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन पर भारत–जर्मनी सहयोग
2017 – 2023
भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन
के संबंध में सामंजस्यपूर्ण सहास्तित्व पद्धति का क्रियान्वयन

german cooperation DEUTSCHE ZUSAMMENARBEIT
Implemented by giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH
Ministry of Environment, Forest and Climate Change Government of India
FOREST DEPARTMENT KARNATAKA
Directorate of Forests Government of West Bengal
Centre for Environment Communication
Environment is First
आज़ादी का अमृत महोत्सव
LiFE Lifestyle for Environment
G20 भारत 2023 INDIA